सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 156 | जौनपुर, शनिवार, 02 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

हर चोट का जवाब वोट से देगी जनता - पीएम मोदी

पश्चिम बंगाल, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के आरामबाग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7,200 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसके बाद हुगली में उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित तिया। मोदी ने कहा कि आज स्वतंत्र भारत में देश की समृद्धि और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर फिर से पूरे गौरव से नई ऊंचाई प्राप्त कर रही है। ये हम सभी का सौभाग्य है की 5 सदियों के इंतजार के बाद, 500 सालों के बाद प्रभु श्री राम अपने भव्य मंदिर में विराजे हैं। इस दौरान उन्होंने संदेशखाली के बहाने राज्य की ममता सरकार पर निशाना साधा। साथ ही साथ विपक्ष की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि संदेशखाली में बहनों–बेटियों के साथ दुस्साहस की सारी हदें पार कर दी। जब संदेशखाली की बहनों ने अपनी आवाज बुलंद की और ममता दीदी से मदद मांगी तो उन्हें बदले में क्या मिला? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दीदी ने, बंगाल सरकार ने ज्डब के नेता को बचाने के लिए जो भी कर सकते थे पूरी शक्ति लगा दी... ज्डब के राज में ज्डब का ये अपराधी नेता करीब–करीब दो महीने तक फरार रहा। कोई तो होगा ना जो उनके बचाता होगा? उन्होंने कहा कि देश की इन उपलब्धियों के बीच बंगाल की स्थिति भी आज पूरा देश देख रहा है। मां, माटी, मानुष का ढोल पीटने वाली टीएमसी ने संदेशखाली की बहनों के साथ जो किया है, वो देखकर पूरा देश दुखी है, आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि वह टीएमसी नेता करीब 2 महीने तक फरार रहा। तंज कसते हुए कहा कि कोई तो

होगा न, जो उनको बचाता होगा! उन्होंने कहा कि क्या आप ऐसी पार्टी को माफ कर देंगे, क्या आप टीएमसी को माफ कर देंगे? हर चोट का जवाब वोट से देना है! प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लिए भ्रष्टाचारियों, परिवारवादियों और तुष्टिकरण करने वालों का साथ देना...यही एक काम बचा है, यही उनके लिए सबसे बड़ा काम है। टीएमसी ने बंगाल में अपराध और भ्रष्टाचार का एक नया मॉडल पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि मेरी गारंटी है...मैं बंगाल के लोगों से वादा करता हूं कि लूटने वालों को लौटाना ही पड़ेगा, ये मोदी छोड़ने वाला नहीं है। मोदी इनकी गालियों और हमले से डरने वाला नहीं है, झुकने वाला नहीं है। जिसने गरीब को लूटा है, उसको लौटाना ही पड़ेगा। मोदी ने कहा कि मोदी ने हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी दी है। आयुष्मान कार्ड से देशभर में करोड़ों गरीब परिवारों का मुफ्त में इलाज हुआ है। इससे इन परिवारों को लगभग 1 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है। लेकिन गरीब, ‶बैज विरोधी ज्डब यहां के सवा करोड़ परिवारों को इसका लाभ नहीं देती। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार गरीब, किसान, नौजवान और महिला के सशक्तिकरण में बहुत बड़ी रुकावट है। ये चार वर्ग जब तक सशक्त नहीं होंगे, तब तक बंगाल विकसित नहीं हो सकता. ..इसलिए आज केंद्र सरकार गरीब, किसान, नौजवान और महिला सशक्तिकरण पर सबसे ज्यादा जोर दे रही है। ये भाजपा की ही सरकार है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाकर लोकसभा और विधानसभाओं में महिला को आरक्षण दिया। नरेंद्र मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विकसित होगा, तभी भारत भी विकसित होगा। इसके लिए आने वाले लोकसभा चुनाव में यहां की सभी सीटों पर कमल खिलाना है। टीएमसी को घमंड है कि उसके पास एक निश्चित वोट बैंक है, लेकिन इस बार टीएमसी का ये घमंड भी टूटेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर सबसे ज्यादा जोर दे रही है।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में आने वाले हफ्तों में होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले, भारत निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और स्टार प्रचारकों से कहा है कि आदर्श आचार संहिता के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उल्लंघन के मामले में उन्हें कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अपनी एडवाइजरी में चुनाव आयोग ने पार्टियों, उम्मीदवारों, स्टार प्रचारकों से जाति, धर्म, भाषा के आधार पर अपील नहीं करने का आग्रह किया है। आयोग ने पार्टियों और नेताओं से कहा है कि वे बिना तथ्यात्मक आधार वाले बयान न दें और मतदाताओं को गुमराह न करें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग से आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने और शहरी इलाकों में विभिन्न आवासीय सोसायटी के परिसरों में भी मतदान केंद्र स्थापित किए जाने की मांग की। एक ज्ञापन में भाजपा ने निर्वाचन आयोग से राजनीतिक दलों की मीडिया सामग्री की अनुमोदन प्रक्रिया में सुधार पर विचार करने का भी आग्रह किया ताकि उन्हें अपने अभियान की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। पार्टी ने आयोग से यह सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया कि चुनाव के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा अपने घरों पर झंडे लगाने और वॉल पेंटिंग बनाने से संबंधित नियम में कोई अस्पष्टता नहीं होनी चाहिए।

रिमोट कंट्रोल से चल रही राजस्थान गवर्नमेंट – पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की भजनलाल सरकार पर रिमोट कंट्रोल वाली सरकार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आलाकमान के इशारे पर काम कर रही है। गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री से ज्यादा पावरफुल उपमुख्यमंत्री हैं।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने राज्य के मुख्य सचिव पर डी फेक्टो मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का भी आरोप लगाया। गहलोत ने कहा कि दुख इस बात का है कि आज सरकार को बने ढाई–तीन महीने हो चुके हैं लेकिन हर घर में चर्चा हो रही है कि सरकार चल क्यों नहीं रही? भाजपा आलाकमान पर निशाना साधते हुए इसका दोष सिर्फ मुख्यमंत्री को नहीं दे सकते क्योंकि आपने रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाने का फैसला कर रखा है। गहलोत ने कहा कि यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। लगाया कि मुख्य सचिव सुधांश पंत राज्य के डी फेक्टो मुख्यमंत्री हैं और मुख्यमंत्री से ज्यादा पावरफुल तो उपमुख्यमंत्री हैं। गहलोत ने राज्य के मुख्यमंत्री के लिए आवंटित सिविल लाइंस का बंगला खाली कर दिया।

मजबूत राष्ट्रीय ताकत का करना होगा निर्माण – एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अगले 25 वर्षों में भारत को राष्ट्रीय ताकत बनानी होगी जो एक विकसित अर्थव्यवस्था और अग्रणी शक्ति की ओर उसके परिवर्तन को आगे बढ़ाएगी। सीमित संख्या में आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता, प्रौद्योगिकी की चुनौतियों और बाजार प्रभुत्व के हथियारीकरण के खतरों को चिह्नित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के लक्ष्य और महत्वाकांक्षाएं दूसरों की सद्भावना से निर्धारित नहीं की जा सकती हैं। विदेश मंत्रालय और पुणे इंटरनेशनल सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक भू–अर्थशास्त्र सम्मेलन, 5वें एशिया आर्थिक संवाद के उद्घाटन समारोह के दौरान गुरुवार को मंत्री का रिकॉर्ड किया गया वीडियो संदेश चलाया गया। प्रवाह के युग में भू–आर्थिक चुनौतियाँ है। वर्तमान भू– आर्थिक चुनौतियाँ तीन श्रेणियों आपूर्ति श्रृंखला चुनौती, प्रौद्योगिकी चुनौती, और वैश्वीकरण की प्रकृति से उत्पन्न अति–एकाग्रता की चुनौती में आती हैं।

वैश्विक टेक्सटाइल इंडस्ट्री भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रगति मैदान में आयोजित भारत टेक्स 2024 में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में हमारे हुनर, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का इंतजार दुनिया का बाजार कर रहा है। भारत से 17,000 करोड़ का कार्पेट एक्सपोर्ट होता है, जिसमें से 60 प्रतिशत कार्पेट यूपी के भदोही, मीरजापुर और वाराणसी से भेजा जाता है। मुख्यमंत्री योगी ने भारत टेक्स 2024 के यूपी पवेलियन में आए सभी बायर्स और विजिटर्स का अभिनंदन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण इवेंट में यूपी को पार्टनर स्टेट के रूप में भागीदार होने का अवसर दिया गया है। सीएम ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में भारत मंडपम और यशोभूमि में इस इंटरनेशनल इवेंट के जरिए टेक्सटाइल के क्षेत्र में अतीत, भविष्य और वर्तमान की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शनी आयोजित की गई है। यह प्रधानमंत्री मोदी की सराहनीय पहल है। पिछले चार दिन से आयोजित इस प्रदर्शनी में देश और दुनिया

से ढेर सारे लोगों ने सहभागिता की है। भारत में एग्रीकल्चर के बाद रोजगार, डेवलपमेंट और टेक्नोजॉजी के क्षेत्र में टेक्साटाइल का क्षेत्र अनंत संभावनाओं वाला है। भारत टेक्स 2024 में उत्तर प्रदेश के 20 एग्जीबिटर्स यशोभूमि में और 46 एग्जिबिटर्स भारत मंडपम में अपने हुनर की प्रदर्शनी के साथ शामिल हुए हैं।

एक और विधायक ने छोड़ा तेजस्वी यादव का साथ

बिहार, एजेंसी। इंडिया ब्लॉक को एक और बड़ा झटका देते हुए, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक भरत बिंद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गए। भरत बिंद 2020 में राजद में शामिल हो गए थे। इससे पहले वह बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के बिहार प्रमुख थे। इससे पहले राजद के प्रह्लाद यादव, चेतन आनंद, वीणा देवी, संगीता देवी और भरत बिंद एनडीए में शामिल हो चुके हैं। वहीं, 27 फरवरी को कांग्रेस के दो विधायक मुरारी गौतम और सिद्धार्थ सौरव एनडीए में शामिल हो गए थे। भरत बिंद ने कहा कि वह अपनी मर्जी से एनडीए में शामिल हुए हैं। उन्हें एनडीए की नीतियां पसंद आईं और उनमें आस्था है, इसलिए ये फैसला लिया। उन्होंने कहा कि मैं शामिल होना चाहता था इसलिए शामिल हुआ... हर कोई अपनी पार्टी ठीक से चला रहा है।श मुझे नीतियों पर भरोसा है इसलिए आया हूं। भरत बिंद ने विधानसभा में सत्ता पक्ष में बैठने की मंशा जताने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। भरत बिंद ने नीतीश

कुमार को गुलदस्ता देकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। गुलदस्ता भेंट करने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। यह नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के लिए बडी राहत की बात है। कांग्रेस के मुरारी गौतम महागठबंधन सरकार में भी मंत्री रहे हैं। वह चेनारी से विधायक है। इसके अलावा सिद्धार्थ सौरभ की बात करें तो वह विक्रम विधानसभा से विधायक हैं। वह काफी लंबे समय से कांग्रेस से नाराज भी चल रहे थे। उन्होंने भी पाला बदल दिया है और भाजपा में शामिल हो गए हैं। मोहनिया विधानसभा से राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर चुनाव जीतने वाली संगीता देवी भी अब भाजपा में शामिल हो गई हैं। आपको बता दें कि नीतीश कुमार के दोबारा एनडीए के साथ सरकार बनाने के बाद जो बहुमत परीक्षण हुआ था, उसमें एनडीए को मामूली बढ़त हासिल हुई थी। यही कारण है कि बिहार में इस बार नीतीश सरकार को बेहद कमजोर माना जा रहा था। लेकिन इन विधायकों के पाला बदलने के बाद एक बार फिर से बिहार में सरकार को मजबूती मिलेगी। इन विधायकों ने ऐसे समय पर पाला बदला है जब बिहार के कई हिस्सों में ईडी की भी कार्रवाई चल रही है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नवगठित राजग सरकार ने विधानसभा में 'महागठबंधन' के सदस्यों के बहिर्गमन के बीच विश्वास मत हासिल कर लिया था। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में कुल 129 वोट पड़े जबकि विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

जयराम ठाकुर का दावा, कभी भी गिर सकती है कांग्रेस सरकार

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। सियासी घमासान के बीच हिमाचल के पूर्व सीएम और मौजूदा विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार कभी भी गिर सकती है। जयराम ने यहां तक कह दिया कि वे रात को सोएंगे और सुबह सरकार गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि उनके 6 कांग्रेस विधायकों के अयोग्य ठहराए जाने के बाद कहा जा रहा है कि अगर वे वापस आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। इससे बड़ा मजाक कोई हो ही नहीं सकता। शायद सीएम को ठीक से समझ नहीं आ रहा कि क्या कहा जा रहा है। अब ऐसी स्थिति है कि उन्हें डर है कि सरकार चली जायेगीय विधायक उनका साथ छोड़ रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक हालात ऐसे हैं कि (कांग्रेस) आलाकमान कुछ भी कहे, चीजें अभी तक तय नहीं हुई हैं और ऐसा होने की कोई संभावना नहीं है। हम यहां बैठे हैं, कुछ नहीं कर रहे हैं। जो भी हो रहा है–उनके बीच ही हो रहा है। हम हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर सतर्क हैं। लेकिन सरकार बचाने के लिए जो अनैतिक और गलत तरीके अपनाए गए हैं – बीजेपी विधायकों का निलंबन, 6 कांग्रेस विधायकों को अयोग्य घोषित करना – और जल्दबाजी में लिए गए कुछ फैसलों ने पूरे राज्य में सीएम की छवि को प्रभावित किया है। यह बात उन्हें समझनी चाहिए। मेरे हिसाब से सरकार रहेगी तो चलेगी नहीं। उन्होंने खुद ही ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जिससे सवाल उठता है कि क्या सरकार बनी रहेगी। इससे पहले कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा था कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी के नेता अभिषेक मनु सिंघवी की हार की जिम्मेदारी ली है और हर विधायक से व्यक्तिगत रूप से बात करने के बाद मतभेद दूर कर लिए गए हैं। क्या सुक्खू मुख्यमंत्री बने रहेंगे तो हिमाचल में कांग्रेस की सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार 'जंगलराज की गारंटी' – राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में अपराध की कुछ घटनाओं का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया

कि राज्य में डबल इंजन सरकार जंगलराज की गारंटी है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा और मोदी मीडिया मिल कर कैसे 'झूठ का कारोबार' कर रहे हैं, उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था उसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने दावा किया, कहीं पेड़ से लटके नाबालिग बहनों के शव, तो कहीं ईंटों से कुचल कर हत्या की वारदात। कहीं भाजपाइयों द्वारा आईआईटी–बीएचयू कैंपस में सामूहिक दुष्कर्म का दुस्साहस, तो कहीं न्याय न मिलने पर आत्महत्या को मजबूर महिला जज। कांग्रेस नेता ने कहा, ये उस प्रदेश का हाल है जिसकी कानून–व्यवस्था का गुणगान करते मोदी मीडिया थकता नहीं है। उन्होंने कहा, हाल ही में रामपुर में आंबेडकर स्मारक की मांग पर 10वीं की परीक्षा देकर लौटते दलित छात्र की हत्या यूपी की जर्जर कानून–व्यवस्था का सबसे वीभत्स उदाहरण है। राहुल गांधी का कहना है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपाई तंत्र और अपराधियों के इस गठबंधन के खिलाफ आज हर जिले, हर तहसील में विरोध प्रदर्शन कर न्याय की आवाज बुलंद करेंगे। लगाया, मोदी मीडिया द्वारा गढ़ी गई झूठी छवि से बाहर निकल कर अब सच्चाई देखने का वक्त है, डबल इंजन सरकार 'जंगलराज की गारंटी' है।

हरियाणा में अपने दम पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी

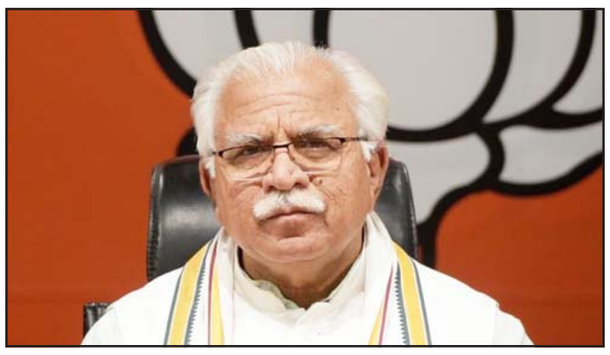

हरियाणा, एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनावों के लिए राज्य नेतृत्व द्वारा आगे बढ़ाए गए नामों में हरियाणा से भाजपा के सभी मौजूदा सांसदों के साथ–साथ 2019 विधानसभा चुनाव हारने वाले कई दिग्गज भी शामिल हैं। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक से पहले राज्य भाजपा ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक बैठक की, जिसमें हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का एक पैनल तय किया गया। 2019 में बीजेपी ने सभी 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन मई 2023 में रतन लाल कटारिया की मृत्यु के बाद अंबाला सीट खाली है। सूत्रों ने कहा कि बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भाजपा को अकेले लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए, न कि राज्य सरकार में पार्टी की साझेदार दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के साथ गठबंधन में। इस बात पर अनिश्चितता बनी हुई है कि क्या 2019 के विधानसभा नतीजों के बाद एक साथ आए दोनों दलों के बीच भाजपा को

बहुमत नहीं मिलने के बाद चुनाव पूर्व गठबंधन होगा। भाजपा के फैसले के बारे में पूछे जाने पर, दुष्यंत चौटाला ने चंडीगढ़ में संवाददाताओं से कहारू "यह (गठबंधन) मुझे या किसी और को तय करने का काम नहीं है। अंतिम निर्णय एनडीए की बैठक में लिया जाएगा। बाद में, जेजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति तय करने के लिए 3 मार्च को करनाल में पार्टी की बैठक की घोषणा की। बीजेपी के लिए दुविधा यह है कि वह अपने मौजूदा सांसदों के साथ जाए या नए चेहरों को मैदान में उतारे, अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान को लेना है। गुरुवार की बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, भाजपा के राज्य प्रभारी बिप्लब देब और राज्य प्रमुख नायब सैनी ने की, और इसमें बीरेंद्र सिंह, कैप्टन अभिमन्यु और पूर्व राज्य प्रमुख ओम प्रकाश धनखड़ और सुभाष बराला सहित शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। बैठक में जिन नौ मौजूदा सांसदों के नाम शॉर्टलिस्ट किए गए उनमें खुद सैनी (कुरुक्षेत्र सांसद), कृष्ण पाल गुज्जर (फरीदाबाद), राव इंद्रजीत (गुड़गांव), सुनीता दुग्गल (सिरसा), अरविंद शर्मा (रोहतक), संजीव भाटिया (करनाल), रमेश कौशिक (सोनीपत), बृजेंद्र सिंह (हिसार), और धर्मबीर (भिवानी–महेंद्रगढ़) शामिल हैं। इसके अलावा बैठक में दिवंगत सांसद कटारिया की पत्नी बंतो कटारिया का नाम भी सुझाया गया। शॉर्टलिस्ट किए गए प्रतियोगियों के पैनल में कैप्टन अभिमन्यु भी शामिल हैं।

संपादकीय

चुनावों में खेल का मैदान विषम

कंपनियों को विज्ञापन देकर कॉर्पोरेट क्षेत्र को लाभ पहुंचाएगी। चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक घोषित करने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक ऐतिहासिक क्षण है। फिर भी, पाँच वर्षों के लम्बे समय के बाद आया यह निर्णय हमारे लोकतंत्र को संकट में डाल देता है। यदि मामले को चुनौती दिए जाने पर निर्णय दिया गया होता, तो भाजपा अपने पास मौजूद अकूत संपत्ति इकट्ठा नहीं कर पातीय फैसले के बावजूद, इसने हमारी राजनीति में एक गैर–स्तरीय खेल का मैदान तैयार कर दिया है। यह निम्नलिखित तथ्यों से स्पष्ट है। साल 2018–19 और 2022–23 के बीच बीजेपी ने करीब 6,566 करोड़ रुपये जुटाए हैं. 2017–18 में, योजना शुरू होने से पहले, भाजपा को चेक के माध्यम से योगदान अपेक्षाकृत नगण्य 210 करोड़ रुपये था। जनवरी 2018 में शुरू की गई योजना के अनुसार, भाजपा के पक्ष में जारी किए गए चुनावी बांड के माध यम से योगदान 1,450 करोड़ रुपये तक बढ़ गया। यह भी स्पष्ट है कि मेरे मित्र स्वर्गीय अरुण जेटली द्वारा शुरू की गई योजना भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई थीय इसके परिणामस्वरूप अंततः लोकसभा चुनावों और लगातार विधानसभा चुनावों के दौरान एक गैर–स्तरीय खेल का मैदान बन गया। हम जानते हैं कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हमारे संविधान की बुनियादी विशेषता है। ऐसा भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा माना गया है। जिस समय चुनावी बांड योजना शुरू की गई थी, उस समय भारत निर्वाचन आयोग ने इसका विरोध किया था। इसके विरोध को खारिज कर दिया गया. जब तक इस मामले पर अदालत में बहस हुई, चुनाव आयोग, जो कार्यवाही में एक पक्ष था, ने चुप्पी साध रखी थी। इसलिए, यह स्पष्ट है कि आयोग इस मामले में सरकार के साथ जाने को तैयार था, हालांकि चुनावी प्रक्रिया में समान अवसर सुनिश्चित करना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनाव आयोग का आचरण हमें अब आश्चर्यचकित नहीं करता है, यह देखते हुए कि उसने लगातार चुनावों के दौरान उत्पन्न होने वाले सभी मुद्दों पर सरकार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है। फिर भी यह सुनिश्चित करना आयोग की जिम्मेदारी है कि आगामी लोकसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। अब जब सुप्रीम कोर्ट ने इस योजना को असंवैधानिक घोषित कर दिया है, तो कानूनी तौर पर, भाजपा को हस्तांतरित धन, चाहे वह कोई भी हो, वैध नहीं माना जा सकता है। कानूनन, की गई अवैधता से भाजपा को लाभ नहीं होना चाहिए। हम यह उम्मीद करना मूर्खतापूर्ण स्वर्ग में जी रहे होंगे कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ–साथ अन्य राजनीतिक दलों को योजना के माध्यम से हस्तांतरित धन के अनुसार प्राप्त लाभों को खघ्त्म करने का निर्देश देगा। इसलिए, हम सत्ता में राजनीतिक दल को अनुचित लाभ देने वाली निरंतर, गैर–स्तरीय खेल के मैदान की स्थिति का सामना कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, प्रतिस्पर्धियों को बिना किसी उपाय के नुकसान उठाना पड़ता है। संवैधानिक दृष्टि से यह स्थिति अस्थिर है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस योजना को असंवैधानिक घोषित करने का एक और परिणाम सामने आया है। अपने फैसले में, अदालत ने सही ही माना है कि एक राजनीतिक दल को कॉर्पोरेट क्षेत्र का भारी योगदान शायद शुद्ध उदारता का कार्य नहीं है। जिन लोगों ने इस योजना के माध्यम से पार्टी में योगदान दिया, उन्होंने शायद बदले की उम्मीद में ऐसा किया। चूंकि इन योगदानों का बड़ा हिस्सा ₹1 करोड़ के मूल्य के चुनावी बांड के माध्यम से था, दानकर्ता ऐसे उदार योगदान से लाभ की उम्मीद करने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति या संस्थाएं होनी चाहिए। आज की परिस्थितियों में, और अब जब सुप्रीम कोर्ट ने अपराध की आय और मनी लॉन्ड्रिंग के बीच अंतर को खत्म कर दिया है, तो प्रवर्तन निदेशालय, जो एक अति–सक्रिय और अति–उत्साही एजेंसी है, से अपेक्षा की जाती है। और जब दानदाताओं के नाम सामने आएं, तो उन व्यक्तियों या संस्थाओं पर तुरंत छापा मारा जाए, जिन्होंने बदले की राशि, यदि कोई हो, का पता लगाने के लिए योगदान दिया है। किसी भी मामले में, प्रवर्तन निदेशालय को सरकार या सत्ता में राजनीतिक दल के सदस्यों को निशाना बनाने के लिए नहीं जाना जाता है, जिनके रिकॉर्ड दागदार हैं। ऐसा होने की संभावना है कि जिन राज्यों में विपक्ष सत्ता में है, वहां एक बार एफआईआर दर्ज होने के बाद, प्रवर्तन निदेशालय तुरंत दान देने वाले विपक्षी नेताओं और कंपनियों पर छापेमारी शुरू कर देगा और इस प्रक्रिया में मामला और भी गंदा हो जाएगा। अब जब इस योजना के तहत लाभ पाकर भाजपा को अनुचित लाभ हुआ है, तो यह एक वास्तविक डर है। इसलिए, यह स्थिति भाजपा को दोहरा लाभ देती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी कई कारणों से इस योजना पर आपत्ति जताई थी। किसी को आश्चर्य हो सकता है कि आरबीआई अब क्या करेगा क्योंकि इस योजना को असंवैधानिक घोषित कर दिया गया है। हमारी राजनीति को होने वाले नुकसान की सीमा केवल गैर–स्तरीय खेल मैदान के निर्माण तक ही सीमित नहीं है। स्थिति कहीं अधिक गंभीर है. कॉर्पोरेट क्षेत्र, जिसके बारे में कोई यह मान सकता है कि वह केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के लिए भारी योगदान देता है, साथ ही बड़े पैमाने पर संपूर्ण मुख्यधारा मीडिया का भी मालिक है।

कांग्रेस खुद पर अफसोस करे या गुस्सा करे

आदित्य

कांग्रेस खुद पर अफसोस या गुस्सा करे, अहंकार की दौलत में बिक रहा जमाना। जाहिर है हिमाचल से राज्यसभा की यात्रा ने एक सरकार के वजूद को छील दिया और इस छिछालेदर में सारी खुन्नस निकल गई। राजनीति अपनी बस्ती नहीं चुन सकती, तो अपनी ही अस्थि उठानी पड़ेगी, वरना भाजपा के कुल 25 विधायकों के सामने कांग्रेस के चालीस इतने सक्षम थे कि अभिषेक मनु सिंघवी यहां से राज्यसभा का तिलक लगाकर लौटते, मगर लुटिया डूबी जहां आशाएं तैर रही थीं। इस गिनती पर कौन भरोसा करे जिसने भाजपा के हर्ष में अपनी तौहीन कबूल की। आश्चर्य यह कि जिस अकड़ से सत्ता चल रही थी, उसकी हड्डी पसली एक कर दी, लेकिन आत्मबोध का आचरण खुद को साबित नहीं कर सका। सुलगती सूलियों को तिनके समझकर, कांग्रेस ने अपने ही हाथों को जलाया इस कद्र। ऐसे में भाजपा का जीतना जनादेश की गवाही नहीं, लेकिन कांग्रेस का हारना जगहंसाई जरूर है। कौनसा शिखर और कौनसी तोपें थीं इस दुर्ग की, कयामत घर से निकली और सारे गुरूर को जला गई। ऐसे में गलत कौन? जनता जिसने कांग्रेस को सत्ता सौंपी या व जो बागी हो गए। क्यों न इस सल्तनत को दोषी मानें जो हिमाचल में निरंकुश और दिल्ली में अंधी थी। कब कांग्रेस अपनी हैसियत से 'आलाकमान' की हेकड़ी से बाहर नेतृत्व का कौशल दिखा पाएगी। यहां वह नेतृत्व भी हारा जिसने हिमाचल में सुक्खू सरकार का मौजूदा आकार बनाया और वह सत्ता भी हारी जिसने यारों का सहारा बनाया। एक एक करके गिनेंगे तो कितने कैबिनेट रैंक बिखर गए और बिखरा वह असंतुलन जो हिमाचल में कांग्रेस को संगठित नहीं कर पाया। आश्चर्य यह कि मुख्यमंत्री के गृह जिला से तीन विधायकों ने बगावत की, तो अपनी ही पार्टी को हराने में सुधीर शर्मा व राजिंद्र राणा ने शहादत दी। एक आसान सी जीत में अगर सुक्खू सरकार फिसल गई, तो सरकार के असंतुलन ही खा गए सरकार को। 'चादर फट गई पांव में नाखून बढ़े थे, शहनशाह की किस्ती में छेद बड़े थे।' अब एक बदसूरत तस्वीर में कांग्रेस का तामझाम और दिल्ली का दरबार खुद को होश में लाने के लिए प्रयासरत है। चोट खाने के बाद दिल का हाल पूछा जा रहा है, अपनी नब्ज को दूसरे हाथ में देकर मापा जा रहा है। यानी छह विध ाायक छंट गए, विक्रमादित्य सिंह ने मंत्री पद छोड़ दिया और कितने सबूत चाहिएं कि आग किस कद्र लगी है। कांग्रेस को खुद पर भरोसा कब होगा। हिमाचल में सरकार का गठन जिस तरह हुआ, उसमें नालायकी, अहंकार, टकराव और उपेक्षा थी। फैसलों की फेहरिस्त में अपने ही विधायकों के अपमान अगर जुड़ रहे थे, तो कहीं बंदूक के साये सत्ता को अपने नशे की हिफाजत की चिंता थी। पहले मंत्रिमंडल के आकार में और फिर इसके प्रकार में कान ही तो पकड़े गए। जिस कांगड़ा ने दस विधायक दिए, उसका सबसे क्षमतावान चेहरा इतना मजबूर किया कि वह आज सरकार के विरुद्ध तलवार बन गया। मंत्रियों को मजदूर और गैर विधायकों को अंगूर खिलाकर आत्मसंतुष्टि तो हो सकती है, लेकिन सरकारें यूं नहीं चलतीं। आश्चर्य यह कि सरकार के बीच खड़े राजिंद्र राणा, सुधीर शर्मा व तमाम विक्षुब्ध विधायकों की न कोई सुन रहा था और न ही सुनना चाहता था। बहरहाल कांग्रेस 'आलाकमान' को इतना होश तो आया कि पर्यवेक्षक शिमला की गलियों में अपनी ही सरकार को ढूंढ रहे हैं। जनता ने तश्तरी पर सौंपी थी जो सत्ता, आज उसकी लाज बचाने के लाले पड़े हैं। इस दृश्य में भाजपा थी ही नहीं, लेकिन उसे अगर सियासी धाम

परोसी गई, तो कांग्रेस को अब जनता क्यों अपना नसीब सौंपे। जिन्हें इंतकाम लेना था, ले लिया। जिन्होंने अहंकार में चूर होकर जितनी सरकार चलानी थी, चला ली, लेकिन बहुत कुछ खोना पड़ा हिमाचल को। पहली बार अस्थिरता के दामन में हिमाचल का लोकतांत्रिक विश्वास चकनाचूर हो रहा है। यह वह प्रदेश है जो तीसरी शक्ति को हमेशा पटकनी देता रहा ताकि कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच सियासी तासीर सुदृढ़ हो, लेकिन यहां तो यह भ्रम भी टूट गया। सरकार चलाने और बचाने की जिम्मेदारी जिस शख्स के कंधों पर थी, उसने अपने पहले इम्तिहान में ही गठरी खोल दी। कल सरकार का क्या होगा। कांग्रेस इसे बचा भी ले, आगामी लोकसभा चुनाव की दहलीज पर पार्टी को फिसलना पड़ सकता है।

प्रवासी मजदूरों के बच्चे और उनके शैक्षणिक विकास का प्रश्न

छोटू

राजस्थान बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति को सुधारने के लिए सरकार कई सालों से प्रयासरत है. बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य का बेहतर विकास हो इसके लिए केंद्र से लेकर सभी राज्य सरकारों ने अपने अपने स्तर से कई तरह की योजनाएं चला रखी हैं. इसके अतिरिक्त कई स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं. इन सबका उद्देश्य गरीब और वंचित मजदूरों और उनके परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है. लेकिन इतने प्रयासों के बावजूद भी सबसे अधिक असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर और इनके बच्चे सरकारी सेवाओं से वंचित नजर आते हैं. जिन्हें इससे जोड़ने के लिए कई गैर सरकारी संस्थाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं. देश के अन्य राज्यों की तरह राजस्थान में भी यह स्थिति स्पष्ट नजर आती है. राजस्थान के अजमेर और भीलवाड़ा सहित पूरे राज्य में लगभग 3500 से अधिक ईट भट्टे संचालित हैं. जिन पर छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, मध्यप्रदेश और राजस्थान के ही सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 1 लाख श्रमिक प्रति वर्ष काम की तलाश में आते हैं. यह मजदूर 8 से 9 माह तक परिवार सहित इन ईंट भट्टों पर काम करने के लिए आते हैं. इनमें बड़ी संख्या महिलाओं, किशोरियों और बच्चों की होती है. जहां सुविधाएं नाममात्र की होती है. वहीं बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए भी कोई सुविधा नहीं होती है. लेकिन इसके बावजूद आर्थिक तंगी मजदूरों को परिवार सहित इन क्षेत्रों में काम करने पर मजबूर कर देता है। यहां काम करने वाले अधिकतर मजदूर चूंकि अन्य राज्यों के प्रवासी होते हैं, ऐसे में वह सरकार की किसी भी योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं। जिसका प्रभाव काम करने वाली महिलाओं और उनके बच्चों के सर्वांगीण विकास पर पड़ता है। इस संबंध में सेंटर फॉर लेबर रिसर्च एंड एक्शन, अजमेर की जिला समन्वयक आशा वर्मा बताती हैं कि ष्ईट भट्टो पर लाखों प्रवासी श्रमिक और उनके बच्चे हैं, जिन्हें स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग की सेवाएं मिलनी चाहिए, लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसा नहीं होता है। 0 से 5 साल के बच्चों में पोषण की स्थिति देखें तो सबसे ज्यादा समस्या भी इन प्रवासी श्रमिकों के बच्चों में है। जिनमें सही समय पर टीकाकरण, खानपान और पोषणयुक्त आहार नहीं मिलने के कारण कुपोषण दर ज्यादा बढ़ने का खतरा रहता है। वहीं ईट भट्टो पर महिलाओं और किशोरियों की स्वास्थ्य स्थिति देखें तो यह भी चिंताजनक स्थिति में नजर आता है, क्योंकि इन जगहों पर इनके लिए शौचालय और स्नानघर की उचित व्यवस्था नहीं होती है। ऐसे में खुले में शौच इसके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके अतिरिक्त माहवारी के समय सेनेटरी नैपकिन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण भी यह महिलाएं और किशोरियां कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझती रहती हैं।ष आशा वर्मा के अनुसार इन प्रवासी मजदूरों के बच्चों और महिलाओं में स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए संस्था पिछले तीन साल से अजमेर और भीलवाड़ा क्षेत्र के 20 ईट भट्टो पर बालवाड़ी केन्द्र संचालित कर रही है, जिसमें 0 से 6 साल के 620 बच्चों को नामांकित किया गया है। जिन्हें सूखा व गर्म पोषाहार दिया जा रहा है। जो बच्चे कुपोषण की श्रेणी में आते हैं उन्हें न केवल कुपोषण उपचार केंद्र में दिखाया जाता है बल्कि संस्था की ओर से उनके साथ विशेष काम किया जाता है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन सालों में परिवार के साथ ईट भट्टो पर रहने वाले कुपोषित बच्चों की स्थिति देखें तो इसमें काफी सुधार आया है। अब तक करीब 100 से ज्यादा बच्चों को इन बालवाड़ी केंद्र के माध यम से कुपोषण से मुक्त स्वस्थ शिशु बनाया गया है। इसके अतिरिक्त समय समय पर उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाने में भी पहल की गई है। इसके अतिरिक्त इन बालवाड़ी केंद्रों पर बच्चों के साथ लर्निंग गतिविधियां भी की जाती हैं ताकि उनमें शिक्षा के प्रति लगन बनी रहे। इसके लिए हर माह बच्चो की ग्रोथ मॉनिटरिंग भी की जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या ईट भट्टों पर काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के बच्चों पर शिक्षा का अधिकार कानून लागू नहीं होता है? हालांकि सरकार का हमेशा प्रयास रहता है कि बच्चों की शिक्षा की स्थिति में सुधार हो. इसके लिए सरकार हमेशा नई नई योजनाएं भी लेकर आती है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से छूटे नहीं. इसके लिए देश में शिक्षा का अधिकार कानून भी लागू किया गया. लेकिन इसके बावजूद अधिकतर प्रवासी मजदूरों के बच्चे इस अधिकार से वंचित रह जाते हैं। आशा वर्मा के अनुसार इस दिशा में काम कर रही सीएलआरए और उसकी जैसी अन्य गैर सरकारी संस्थाएं इस इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिनकी ओर से हर साल शिक्षा विभाग को इन बच्चों को स्थानीय स्कूल से जोड़ने के लिए सूची उपलब्ध करवाई जाती है।

रक्षा भारत में नवप्रवर्तन और निर्माण के अभियान का नेतृत्व

संजय

रूस के खिलाफ युद्ध के मैदान में यूक्रेन के प्रदर्शन को बाधित किया है। भारत के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में हाल के वर्षों में बड़े बदलाव हुए हैं, जिसमें प्रमुख संस्थागत और नीतिगत बदलावों के साथ स्वदेशीकरण, घरेलू पूंजी खरीद और निर्यात को बढ़ावा मिला है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया सरकार के दो लक्ष्य हैं जिन्होंने इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव को बढ़ावा दिया है। अनिश्चितता के युग में, इन लक्ष्यों को प्राप्त करने से महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान या हेरफेर के कारण जोखिमों को कम करने में मदद मिलेगी – ठीक उसी तरह की चुनौतियाँ जिन्होंने रूस के खिलाफ युद्ध के मैदान में यूक्रेन के प्रदर्शन को बाधित किया है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 ने खरीद अनुबंधों में 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री निर्धारित की है। इसके अलावा, विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं को भारत में रखरखाव और विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, पुर्जों के प्रारंभिक स्वदेशीकरण को सक्षम करने के लिए एक नई खरीद श्रेणी शुरू की गई है। रक्षा मंत्रालय ने खरीद के लिए कई सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की हैं, जिनमें वर्तमान में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों द्वारा आयात की जाने वाली 5,000 वस्तुएं शामिल हैं। घरेलू भागीदारों को आत्मनिर्भरता के लक्ष्य में सक्रिय भूमिका निभाने में मदद करने के लिए अगस्त 2020 में लॉन्च किया गया सृजन स्वदेशीकरण पोर्टल एक उल्लेखनीय कदम था। आयात की जाने वाली 34,000 से अधिक वस्तुओं को पोर्टल पर अपलोड किया गया है, जिनमें से लगभग एक तिहाई पहले से ही स्वदेशी होने की प्रक्रिया में हैं। तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में दो रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किए गए हैं। इनसे 7,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है। नवंबर 2023 में, स्वीडिश हथियार प्रमुख ै।ठ ने भारत में कार्ल गुस्ताव ड4 रॉकेट सिस्टम के निर्माण के लिए पहली 100 प्रतिशत थ्क्प परियोजना की घोषणा की। प्लेटफार्मों के निर्माण में विशेष रूप से भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा प्रशंसनीय प्रगति हुई है। सितंबर 2022 में प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित आईएनएस विक्रांत विमानवाहक पोत, भारत के समुद्री इतिहास में निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत है। यह एसएमई और एमएसएमई सहित सभी उद्योगों में नई तकनीकी क्षमताओं को जन्म दे रहा है। पिछले नवंबर में घरेलू एकल इंजन तेजस हल्के लड़ाकू विमान में नरेंद्र मोदी की उड़ान मेक इन इंडिया पहल के लिए एक बड़ा बढ़ावा थी। नेटवर्क–केंद्रित युद्ध के युग में महत्वपूर्ण उन्नत रडार, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक क्षमताओं के अलावा मिसाइलों, लंबी दूरी की तोपों, मल्टी–बैरल रॉकेट लॉन्चर और टैंकों पर भी समान ध यान केंद्रित किया गया है। सरकार ने हाल ही में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के कामकाज की समग्र समीक्षा करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है। उभरती चुनौतियों के अनुरूप रक्षा अनुसंधान एवं विकास और नवाचार में श्उद्देश्य के अनुरूपश घरेलू क्षमताओं का निर्माण मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है। सरकार ने शर्त लगाई है कि रक्षा पूंजी खरीद बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा घरेलू उद्योग को दिया जाना चाहिए। 2020–21 के बाद से, घरेलू खरीद का बजट काफी बढ़ गया है, 2020–21 में कुल पूंजीगत खरीद बजट का लगभग 40 प्रतिशत (52,000 करोड़ रुपये) से 2023–24 में 75 प्रतिशत (99,223 करोड़ रुपये) हो गया है। इसके अलावा, 2022–23 से, इस घरेलू पूंजी खरीद बजट का 25 प्रतिशत विशेष रूप से निजी रक्षा उद्योग क्षेत्र के लिए निध ार्रित किया गया है। इन पहलों के परिणामस्वरूप, भारत का रक्षा उत्पादन 2022–23 में पहली बार 1,00,000 करोड़ रुपये को पार कर 1,08,684 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। डीपीएसयू का कुल उत्पादन में लगभग 75 प्रतिशत योगदान है, जिसमें निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 20 प्रतिशत और संयुक्त उद्यमों का शेष योगदान है। 2023–24 के लिए रक्षा उत्पादन लक्ष्य 1,35,000 करोड़ रुपये है। 2025 तक इसके 1,75,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है. रक्षा विनिर्माण के लिए एक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार या पक्म्, एमएसएमई, स्टार्ट–अप, व्यक्तिगत इनोवेटर्स, आर एंड डी संस्थानों और शिक्षाविदों सहित उद्योगों को शामिल करके नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 2018 में लॉन्च किया गया था। हाई–एंड समाधानों के विकास को सक्षम करने के लिए 10 करोड़ रुपये तक अनुदान सहायता के साथ स्टार्ट–अप का समर्थन करने के लिए 2022 में पक्म्म प्राइम फ्रेमवर्क लॉन्च किया गया था। प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत फंडिंग को 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये प्रति परियोजना कर दिया गया है। स्टार्ट–अप और इनोवेशन को समर्थन देने के लिए क्त्क्प द्वारा डेयर टू ड्रीम इनोवेशन प्रतियोगिता शुरू की गई थी। 2023–24 में रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का लगभग 25 प्रतिशत शिक्षा और निजी उद्योग के लिए भी निर्धारित किया गया है। बढ़ते घरेलू उत्पादन और सशस्त्र बलों द्वारा स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शित उपयोग के साथ, रक्षा निर्यात में वृद्धि होना तय है।

रोबोट और स्वचालित प्रक्रियाएं बड़े पैमाने पर लापरवाही, निगरानी और नियंत्रण की ओर ले जाती

ललित

नौकरी छूटने और निगरानी का एक डिस्टोपिया या परिवर्तन और प्रगति का एक स्वप्नलोक। यह पहेली स्वचालन और काम के भविष्य पर इसके प्रभाव को लेकर चल रही गहन बहस का सार प्रस्तुत करती है। चौथी औद्योगिक क्रांति या दूसरे मशीन युग की प्रगति के बारे में आशावादी आख्यानों को अंध ाकारमय भविष्य की भविष्यवाणियों के साथ जोड़ा जाता है, जहां रोबोट और स्वचालित प्रक्रियाएं बड़े पैमाने पर लापरवाही, निगरानी और नियंत्रण की ओर ले जाती हैं। वास्तविकता इतनी सरल नहीं है. स्वचालन में श्रमिकों और प्रौद्योगिकी के बीच एक नया संबंध, नए श्स्थानिक सुधारश शामिल हैं, चाहे वैश्विक उत्पादन नेटवर्क हो या दूरस्थ कार्य, साथ ही नए प्रकार के रोजगार संबंधों को सक्षम करना। भारत जैसी श्रम–प्रचुर अर्थ व्यवस्थाओं में काम के भविष्य पर वैश्विक आख्यान रखना महत्वपूर्ण है, जहां स्वचालन के प्रभाव विकास के लिए चुनौती पैदा कर सकते हैं। भारत लंबे समय से संरचनात्मक असमानताओं, गरीबी, अनौपचारिक कार्य और स्व–रोजगार की प्रबलता और बढ़ती बेरोजगारी से जूझ रहा है। इसके पास सूचना प्रौद्योगिकी में भी विशिष्ट विशेषज्ञता है। ऐसा प्रतीत होता है कि युवा स्नातकों और मध्य–स्तर के पेशेवरों को एआई क्रांति से लाभ होने की संभावना है। असमानता पर तनाव – इस डर से बढ़ गया है कि तकनीकी नवाचार नौकरी के अवसरों और सुरक्षा को कमजोर कर देंगे – हावी हैं। भारत में स्वचालन काम को कैसे प्रभावित कर रहा है इसका आकलन मौजूदा रोजगार प्रथाओं या बड़े बदलावों में नाटकीय बदलाव का समर्थन नहीं करता है। बल्कि, उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना असमान और अनियमित है। इससे कुछ श्रमिकों के लिए रोजगार की स्थिति में सुधार हो सकता है लेकिन आय और धन के पुनर्वितरण के बिना बहुसंख्यकों को लाभ होने की संभावना नहीं है। उत्पादन स्वचालन से विनिर्माण पर भारी असर पड़ सकता है, लेकिन इसे अपनाने को उन्नयन की लागत और श्रम की लागत से संतुलित करने की आवश्यकता है जहां श्रम प्रचुर मात्रा में है। उच्च–प्रौ द्यो गि की निर्यात–उन्मुख ऑटोमोबाइल और दूरसंचार उत्पादन में उन्नत स्वचालन को अपनाने की अधिक संभावना है, आंशिक रूप से नियमित कार्यों की अधिक संख्या के कारण। कपड़ा, परिधान, चमड़ा और जूते जैसे श्रम प्रधान उद्योगों में उच्च प्रौद्योगिकियों को अपनाने की संभावना कम है क्योंकि अनौपचारिक क्षेत्र में मुख्य रूप से छोटे पैमाने की फर्मों में उच्च पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है, जहां कम लागत पर श्रम आसानी से उपलब्ध ा होता है। विनिर्माण क्षेत्र में स्वचालन श्अनुबंधीकरणश द्वारा संचालित होता है – जहां नियमित (पूर्णकालिक), संघबद्ध श्रमिकों की सौदेबाजी की शक्ति को कमजोर करने और वेतन मांगों को नियंत्रण में रखने के लिए सीधे कर्मचारियों के स्थान पर अनुबंध ा श्रमिकों को काम पर रखा जाता है – और फर्मों द्वारा श्रम प्रतिस्थापन . कुल रोजगार में ठेका श्रमिकों की हिस्सेदारी बढ़ी है जबकि सीधे नियोजित श्रमिकों की हिस्सेदारी घटी है। प्रशिक्षुओं और अनुबंध श्रमिकों के लिए पूर्णकालिक श्रमिकों के साथ एक ही दुकान के फर्श पर एक ही काम करना और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से बड़े पैमाने पर आपूर्ति श्रृंखलाओं का स्रोत होना भी आम बात है। हालाँकि नई नौकरियाँ पैदा हो सकती हैं, लेकिन ठेकाकरण बढ़ने से रोजगार की स्थितियाँ खराब हो रही हैं। ठेका श्रमिकों को आसानी से बर्खास्त किया जा सकता है, उन्हें स्थायी श्रमिकों की तुलना में बहुत कम वेतन मिलता है और सामाजिक सुरक्षा तंत्र तक उनकी पहुंच नहीं होती है। रोजगार की अन्य प्रवृत्ति के तेज होने की संभावना मजदूरी रोजगार से स्व–रोजगार की ओर बदलाव है। हालांकि उद्यमिता के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं, सबूत बताते हैं कि अधिकांश लोगों के लिए स्व–रोजगार एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। अनौपचारिक क्षेत्र में 80 प्रतिशत से अधिक कार्यबल को स्व–रोजगार के रूप में वर्गीकृत किया गया है, लेकिन वे पूंजी या सामाजिक सुरक्षा तक बहुत कम पहुंच के साथ निर्वाह स्तर पर काम करते हैं। इस मिथक का खंडन करते हुए कि स्व–रोजगार की ओर यह बदलाव उद्यमशीलता का प्रतिनिधित्व करता है, वास्तविकता स्व–रोजगार की ष्छिपी हुई निर्भरताष और इसके लिंग और जाति– और समुदाय–आधारित आधार की है। श्रमिक बड़ी कंपनियों या व्यापारियों पर निर्भर होते हैं, जिससे काम में तेजी आती है और वे अवैतनिक पारिवारिक श्रम पर निर्भर हो जाते हैं। ये स्व–रोजगार वाले बड़े पैमाने पर अनिश्चित, अनौपचारिक श्रमिक हैं जो शोषण के शिकार होते हैं। बढ़े हुए स्वचालन के साथ श्ठेकाकरणश और स्व–रोजगार की ओर बदलाव बढ़ती अनौपचारिकता और अनिश्चितता और कई लोगों के लिए बदतर रोजगार स्थितियों का संकेत दे सकता है। सेवाएं उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रभाव बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) और आईटी उद्योगों, वित्तीय क्षेत्र और ग्राहक सेवाओं में सबसे अधिक दिखाई देता है। बैक–एंड कार्य तेजी से स्वचालित होते जा रहे हैं। हालाँकि, इस बदलाव से व्यापक रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना नहीं है, जैसा कि 2016–2017 के बाद से नियुक्ति में महत्वपूर्ण मंदी और आईटी क्षेत्र में अतिरेक में वृद्धि से पता चलता है। एक रिपोर्ट बताती है कि आईटी क्षेत्र में 6,40,000 कम–कुशल सेवा वाली नौकरियों में स्वचालन का खतरा है, जबकि आईटी और बीपीओ सेवा क्षेत्रों में केवल 1,60,000 मध्यम से उच्च–कुशल पद सृजित होंगे। आईटी क्षेत्र के कर्मचारियों को तेजी से कौशल बढ़ाने की आवश्यकता होगी, लेकिन मध्यम अवधि में कम नौकरियां पैदा होंगी। आईटी क्षेत्र में औपचारिक रोजगार संबंधों की कीमत पर, आउटसोर्सिंग और उपठेके के माध्यम से अनौपचारिकीकरण और ठेकाकरण बढ़ रहा है। प्लेटफॉर्म इकोनॉमी पीआर सूक्ष्म उद्यमिता और फ्रीलांस कार्य के नए रूपों को सक्षम करके, सेवा कर्मियों, विशेष रूप से महिलाओं और प्रवासी श्रमिकों के लिए नए आर्थिक अवसरों को समाप्त कर दिया गया है। यह उच्च आय, बेहतर कामकाजी परिस्थितियों, लचीले काम के घंटों या बैंकिंग तक पहुंच के मामले में रोजगार की स्थिति में सुधार कर सकता है। प्लेटफॉर्म समुदाय की भावना का भी वादा करते हैं जिसे सामूहिक सौदेबाजी के लिए जुटाया जा सकता है। हालाँकि, इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए श्रमिकों के पास तकनीकी कौशल होना आवश्यक है, जबकि अधिकांश लोगों के पास कौशल बढ़ाने के सीमित अवसर हैं। यह वर्तमान शिक्षा कार्यक्रमों और नियोक्ताओं के लिए आवश्यक कौशल के बीच के अंतर को भी उजागर करता है। अक्सर, निगरानी और नियंत्रण स्वतंत्रता, लचीलेपन और स्वायत्तता की शब्दावली को झुठलाते हैं।

अन्न पूर्णा भवनों का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्यमंत्री, उ0प्र0 द्वारा लोकभवन सभागार, उ0प्र0 सचिवालय लखनऊ से प्रदेश के कुल 1100 नवनिर्मित अन्न पूर्णा भवनों (मॉडल उचित दर दुकान) तथा ई–वेइंग स्केल युक्त ई–पॉस मशीनों से खाद्यान्न वितरण प्रारम्भ किये जाने का लोकार्पणध्शुभारम्भ किया गया। प्रदेश के उक्त 1100 नवनिर्मित अन्न पूर्णा भवनों (मॉडल उचित दर दुकान) में जनपद–जौनपुर की 15 अन्नपूर्णा भवनों (मॉडल उचित दर दुकान) यथा– ग्राम पंचायत –कमालपुर, वि0ख0–बदलापुर, ग्राम पंचायत–कुहिया, डोमनपुर, बरगांव वि0ख0– शाहगंज, ग्राम पंचायत– मदारीपुर भेला, वि0ख0–सुईथाकला, ग्राम पंचायत– उमरीपुर, इब्राहिमखुर्द, वि0ख0– महाराजगंज, ग्राम पंचायत–पाली, वि0ख0–मड़ियाहूँ, ग्राम पंचायत–गोपालापुर, वि0ख0–बक्शा, ग्राम पंचायत–गोल्हनामऊ, वि0ख0–सुजानगंज, ग्राम पंचायत –नाथूपुर, वि0ख0–सिरकोनी, ग्राम पंचायत– अमहित, वि0ख0–केराकत, ग्राम पंचायत– बरामनपुर, ग्राम पंचायत –बरौटी वि0ख0–डोभी एवं ग्राम पंचायत– असबरनपुर, वि0ख0–जलालपुर को भी सम्मिलित किया गया।

मुख्यमंत्री जी के उक्त लोकार्पण के उपरान्त मा0 विधायक बदलापुर श्री रमेश चन्द्र मिश्र जी द्वारा ग्रामवासियों को सरकार की उक्त योजना के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी।

उन्होंने सम्बोधित करते हुए कहा की सभी कोटेदार ईमानदारी से राशन का वितरण कराये। ई–पास मशीन, ई–वेइंग मशीन से पारदर्शी तरीके से वितरण किया जाए। उन्होंने सभी से अपील किया कि जो कोटेदार शासन के मंशानुरूप राशन का वितरण नहीं कर रहा है या अधिकारीध्कर्मचारियों के द्वारा अतिरिक्त पैसा मांगा जा रहा है उसकी सूचना दे, संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीबों को गरीब का हक हर हाल में दिया जाए। जनपद–जौनपुर में उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम पंचायत– कमालपुर, वि0ख0–बदलापुर में मा0 मुख्यमंजी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विधायक बदलापुर रमेशचन्द्र मिश्रा जी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में उक्त कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित हुआ।

विश्व श्रवण दिवस पर जागरूकता रैली अय्योजित

जौनपुर। विश्व श्रवण दिवस 03 मार्च 2024 के उपलक्ष्य में एक विशाल जनजागरूकता रैली को डा0 राजीव कुमार, नोडल अधिकारी एन0पी0पी0सी0डी0 कार्यक्रम एवं डा0 बी0सी0 पन्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त रैली में कुंवर हरिवंश सिंह पैरामेडिकल कालेज की छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया है। तत्पश्चात एक गोष्ठी का आयोजन डा0 बी0 सी0 पन्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनुपर की अध्यक्षता में सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम "The Theme coined by WHO for world hearing day for this year i-e., 2024 पे Changing mind&sets: let's make ear and hearing care a reality for all!" इस अवसर पर डा0 बी0 सी0 पन्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय द्वारा बताया गया कि विश्व स्तर पर हर साल 3 मार्च को बहरेपन और सुनवाई की हानि को रोकने और दुनिया भर में कान और सुनने की क्षमता की देखभाल को बढ़ावा देने के बारे में जागरुकता फैलाने के प्रयासो पर विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है। नोडल अधिकारी एन0पी0पी0सी0डी0 कार्यक्रम डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि बहरापन ऐसी समस्या है जो उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या न होकर बचपन मे शुरु होने वाली परेशानी है। दुनिया भर में लगभग 466 मिलियन लोगो को सुनने मे दुर्बलता यानि बहरापन होता है, जिनमे से 34 मिलियन बच्चे है। दुनिया में लगभग 32 मिलियन बच्चो में सुनने की क्षमता में कमी है और प्रत्येक 1000 मे से 1 बच्चा जन्मजात सुनने की दुर्बलता के साथ पैदा होता है। बचपन की सुनवाई हानि में से 60 प्रतिशत ऐसे कारणे से होती है जिन्हे टाला जा सकता है। उनके द्वारा बताया गया कि हमारे कान के सुनने की क्षमता 80 डेसिबल होती है। आज के मार्डन लाईफस्टाइल में लोग अपनी सुनने की क्षमता को ही खो बैठते है क्योंकि कुछ लोग ज्यादा शोर वाले स्थानो पर काम करते है जिससे उनकी सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। लोगो में सुनाई न देने वाले प्रमुख कारणें में पर्दे में छेद या मेस्टोइड हडडी का गलना है। कान की सबसे छोटी हडडी स्टेपिज मे कपंन रुकना, कान में तरल पदार्थ भरना, वैक्स, सिर या कान पर चोट लगना है। तेज आवाज में म्युजिक सुनने से युवांओं में इस तरह की आशंका बढ़ जाती है। गलसुआ और खसरा आदि के संक्रमण के बाद भी कुछ लोगो में कम सुनने की समस्या होती है। कई बार दवाइयों के रियक्शन से भी ऐसा हो जाता है। उक्त गोष्ठी में जयप्रकाश गुप्ता, अमित सिंह, धीरज यादव, विवेक मौर्या, कुलदीप श्रीवास्तव सहित कार्यालय के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहें।

प्रेरणा कोचिंग का 11 वां स्थापना दिवस समारोह हुआ आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देवकली के पंचायत भवन में प्रेरणा कोचिंग के 11 वे स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया स अध्यक्षता वी.बी.एस पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह जी ने की स बच्चों के कार्यक्रम को देखा और उनका उत्साहवर्धन किया स उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण बच्चों के लिए यह सेवा निरंतर जारी रहेगी ऐसी मुझे पूरी उम्मीद है। इस कोचिंग की सफलता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के समर्पण की देन है। मुख्य अतिथि के तौर पर इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल दिल्ली के डॉ आर पी सिंह जी ने इस पुनीत कार्य की प्रशंसा की और हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया स उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने आस पड़ोस के ग्रामीण बच्चों को निशुल्क कोचिंग देकर बहुत ही पुनीत कार्य कर रहा है. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश ठकराल ने कार्यक्रम के आए ग्रामीण महिलाओं से आग्रह किया कि अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालें स उन्हें महापुरुषों की कहानिया सुना कर प्रेरित करते रहे स अतिथियों का परिचय विश्वविद्यालय के चीफ वार्डन डॉ मनीष प्रताप सिंह जी ने कराया स प्रो0 राज कुमार, चीफ प्रॉक्टर ने

प्रेरणा कोचिंग की आख्या प्रस्तुति कीस बतौर विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने प्रेरणा कोचिंग में अपना सहयोग कर रहे छात्र–छात्राओं से इस मुहिम को जारी रखने के लिए अपील की । डॉ. इंद्रेश गंगवार जी ने बच्चों को प्रेरित करने के लिए सद्गुणों के विकास पर जोर दिया स कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अफजल, अजमत एवं नदीम ने किया तथा डॉक्टर मनोज पांडे ने धन्यवाद ज्ञापित किया स कार्यक्रम में प्रो. विक्रम देव, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉक्टर सुरेंद्र कुमार, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, हम प्रेरणा में शिक्षण कार्य में सहयोग करने वाले छात्र आयुष यादव, आनंद यादव, विकास यादव, सत्यम, ओमप्रकाश , अभिषेक कुमार, अंकित ठाकुर सौरभ, अनी, शिव चौहान, अरुण गौतम, कौशल प्रताप, अमन कुमार यादव, रिचा, मोहम्मद अंसारी अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं सहित शामिल हुए।

रामानुजन सोसायटी ऑफ मैथमेटिक्स एंड मैथ मेटिकल साइंसेज के तत्वाधान में गोष्ठी आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन रामानुजन सोसायटी ऑफ मैथमेटिक्स एंड मैथमेटिकल साइंसेज के तत्वाधान

में आयोजित मैथमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजीष्का उद्घाटन टी.डी.पी.जी कॉलेज जौनपुर के बलरामपुर हाल में हुआ। प्रथम सत्र की शुरुआत चीफ गेस्ट, प्रेसिडेंट ऑफ सोसायटी ,एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती एवं महाविद्यालय के फाउंडर तिलकधारी सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।

तत्पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, कुल गीत एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन डॉक्टर सुशील कुमार तिवारी (गणित विभाग टी.डी.पी.जी कॉलेज जौनपुर) ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य ओ. पी. सिंह (प्राचार्य टी.डी.पी.जी कॉलेज जौनपुर) द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत किया। तत्पश्चात प्रोफेसर एम. ए. पठान (पूर्व विभाग अध्यक्ष गणित अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़)द्वारा सभी छात्र–छात्राओं को गणित की महत्ता बताते हुए समाज के विकास में योगदान देने हेतु प्रेरित किया। तत्पश्चात डॉक्टर ए. के. सिंह (सीनियर साइंटिस्ट डी.एस.टी.न्यू दिल्ली)ने विभिन्न विषयों में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत , सोच की स्पष्टता एवं दूरदर्शिता पर प्रकाश डालते हुए गणित के क्षेत्र में बेहतर रिसर्च करने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात डॉक्टर प्रहलाद (डी. एस.टी साइंटिस्ट न्यू दिल्ली) ने भूगर्भ विज्ञान पर्यावरणीय विज्ञान के क्षेत्र में गणित की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं छात्रों के द्वारा उच्च शिक्षा में रिसर्च करने हेतु सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी । तत्पश्चात डॉक्टर डॉ. एस. एन. सिंह पूर्व विभाग गणित टी.डी.पी.जी कॉलेज जौनपुर ने देश की आजादी के बाद विकट परिस्थितियों में किस प्रकार गणितज्ञों ने कार्य किया एवं देश की गरिमा बढ़ाया पर विस्तृत प्रकाश डाला ल

कार्यक्रम के दूसरे सत्र का संचालन प्रो पठान सर ने कियास

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रोफेसर जे.जे रावल ने ऑल अबाउट डाइमेंशंस एंड देयर एप्लीकेशंसष्पर प्रकाश डालते हुए फोर्थ डाइमेंशन टाइम,फिफ्थ डाइमेंशन मास इत्यादि पर प्रकाश डाला. मगध यूनिवर्सिटी बोधगया के डॉ मनोरंजन कुमार सिंह ने ष्फजी सेट एवं उसके सिद्धांतोंष पर प्रकाश डाला. तीसरी वक्त डॉक्टर वरुण मोहन शारदा, यूनिवर्सिटी नोएडा ने मैथमेटिकल मॉडलिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते हुए व्यापार एवं उसके मैनेजमेंट सिस्टम के मॉडल पर प्रकाश डाला. तत्पश्चात शिब शंकर दास (बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी) ने बेसिक बिल्डिंग ब्लॉक ऑफ लॉजिक पर विस्तृत प्रकाश डाला. अगले वक्त डॉक्टर शिखा श्रीवास्तव ,अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने रिलेटिविटी कॉस्मोलॉजी एवं कॉस्मोलॉजी मॉडल एवं उसके सिद्धांत पर प्रकाश डाला. अंत में विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए रिसर्च स्कॉलर्स ने अपना अपना पेपर प्रजेंट किया. कार्यकाल के अंत में ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री प्रोफेसर सत्य प्रकाश सिंह(विभाग अध्यक्ष गणित टी.डी.पी.जी कॉलेज जौनपुर) ने सभी आगंतुकों, विशिष्ट अतिथियों ,वक्ताओं रिसर्च स्कॉलर एवं छात्र–छात्राओं को संगोष्ठी में प्रतिभाग करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर आशुतोष सिंह(प्रिंसिपल कलान इंटर कॉलेज), प्रोफेसर के.बी यादव, प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव, डॉक्टर आशुतोष सिंह ,डॉक्टर देवमणि दुबे, डॉक्टर अमित कुमार सिंह, डॉ विजय यादव, डॉक्टर जी.सी चौबे ,डॉक्टर नंदलाल सिंह, डॉक्टर जयप्रकाश यादव, डॉक्टर सुनील सिंह ,डॉक्टर आर .पी सिंह, डॉक्टर शिखा श्रीवास्तव, डॉक्टर जितेश, डॉ प्रभातसिंह , डॉक्टर विजेंद्र सिंह डॉक्टर विनोद यादव आदि उपस्थित रहे एवं प्रतिभा किया।

फोलिक एसिड के सेवन से मानसिक बीमारियों से बचाव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दुर्ग में शुक्रवार को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ष्अगली पीढ़ी के जीवन के लिए जैविक परिवर्तनों और अनुप्रयोगष में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रो वंदना राय व प्रो प्रदीप कुमार ने आमंत्रित व्याख्यान दिया। कहा कि सही मात्रा में फोलिक एसिड का सेवन न केवल कई मानसिक बीमारियों बल्कि कैंसर से भी बचाता है व किसी भी एडिक्शन के लिए मनुष्य के जींस 50: तक जिम्मेदार हो सकते हैं। प्रो. वंदना राय के ग्रुप ने सिजोफ्रेनि, डॉअन्स सिंड्रोम ओ सी डी के जीन पोलिमोर्फिसम् के रिस्क फैक्टर होने की संभावनाओं की उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में स्टडी की है। मस्तिष्क पर शराब के प्रभाव को मध्यस्थ करने में सेरोटोनिन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।मनोदशा, अनुभूति, इनाम, सीखना, स्मृति, और उल्टी और वाहिका संकीर्णन जैसी कई शारीरिक प्रक्रियाएं शामिल हैं। सेरोटोनिन एक रसायन है जो मस्तिष्क और आपके पूरे शरीर में तंत्रिका कोशिकाओं के बीच संदेश पहुंचाता है। सेरोटोनिन मूड, नींद, पाचन, मतली, घाव भरने, हड्डियों के स्वास्थ्य, रक्त के थक्का व अन्य कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सेरोटोनिन का स्तर बहुत कम या बहुत अधिक होने से शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।प्रो. वंदना राय पिछले 25 वर्षो से भी अधिक समय से ऐसे कई जींस पर कार्य कर रही है।

मुंजहा आश्रम में हिन्दू महासंघ ने किया समरसता – भोज का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। नगर के उतरौला रोड स्थित मुंजहा बाबा आश्रम में शुक्रवार को विश्व हिंदू महासंघ के तत्वावधान में संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में विराट सहभोज का आयोजन किया गया। महासंघ के केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर चल रहे समरसता पखवारे में आयोजित इस विराट सहभोज कार्यक्रम में सुबह से शाम तक सभी वर्ग के सैकड़ों लोगों ने एक साथ जमीन पर बैठकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्व हिंदू महासंघ के मुंजहाबाबा आश्रम में जिला कार्यालय में अध्यक्ष विजय मिश्रा ने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा समाज में स्थापित किए गए सौहार्द की चर्चा कर उनका नमन किया। श्री मिश्र ने अपने सम्बोधन में महासंघ के पदाधिकारियों से जातीय भेदभाव के खिलाफ संघर्ष का आह्वान करते हुए कहा कि सनातन समाज में

सौहार्द स्थापित करने के लिए संभ्रांत लोगों को मांगलिक उत्सव एवं प्रीति भोज जैसे कार्यक्रमों में भेदभाव का परित्याग कर सभी जाति व गरीब अमीर को एक साथ सम्मानपूर्वक भोजन जलपान करने की आवश्यकता है। समाज के सौहार्द को कई राजनैतिक पार्टियां स्वार्थवश लोगों में जाति व धर्म का विष घोलकर विषाक्त कर रही हैं।

इस अवसर पर हर्ष कुमार सोनकर जिला महामंत्री हर्ष कुमार सोनकर, उपाध्यक्ष संत मिश्र, जय मिश्रा, प्रमोद, संजय, रंजीत, प्रदीप, जेपी तिवारी, विजय प्रकाश, युवराज , बड़के, अभिषेक बसंत शिवम् व अंकलेश्वर आदि सहभागी रहे।

फर्जी/झोला छाप डाक्टर के ऊपर स्वास्थ्य विभाग ने कसा नकेल

'सुल्तानपुर' जनपद में फर्जी झोलाछाप डाक्टरों पर मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर ओम प्रकाश चौधरी की भृकुटी तिरछी हो गई है,मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा स्पष्ट शब्दों में कहा गया है की ऐसे फर्जी डाक्टरों पर विभाग गंभीर कार्यवाई करेगा,सीएमओ द्वारा गठित टीम ने शहर के नार्मल कंपाउंड स्थित सुपर मार्केट में औचक छापा मारा गया,सुपर मार्केट मेडिकल मंडी के नाम से मशहूर है,यहा जिले के ही नही प्रदेश के नामचीन डाक्टरों की ओपीडी होती है,इन्ही के बीच में फर्जी डिग्री भी अपनी दुकान खोलकर मरीजों की जिदगी से खेल रहे है,इसकी सूचना पर जिले के स्वास्थ्य विभाग मुखिया डॉ ओम प्रकाश चौधरी द्वारा डिप्टी सीएमओ डॉ पीडी त्रिपाठी,वरिष्ठ सहायक विजय राय,वसीम अहमद व सुशील कुमार सिंह की टीम बनाकर सुपर

मार्केट में चलने वाले फर्जीवाड़े पर कार्यवाई करने के निर्देश पर टीम ने छापामारी की,टीम ने मौके पर कई डाक्टरों की वास्तविकता खंगाली,टीम ने सुपर मार्केट में चर्मरोग विशेषज्ञ बताने वाले डॉ पीके त्रिपाठी न्यू सिटी मेडिकल स्टोर व डिहवा स्थित या वारिस नूर क्लिनिक पर छापा मारा,छापेमारी से सुपर मार्केट में अफरा तेरी का माहौल रहा,बहरहाल मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को डॉ पीके त्रिपाठी व या वारिस नूर क्लिनिक के द्वारा कोई भी अभिलेख नही उपलब्ध करवाया जा सका,सीएमओ के निर्देश पर डॉ पीके त्रिपाठी और या वारिस नूर क्लिनिक को तीन दिन का समय दिया गया है,समय सीमा के अंदर यदि इनके द्वारा अभिलेख उपलब्ध नही कराया जाता तो आगे विभागीय ठोस कार्रवाई की जाएगी।

तीन दिवसीय संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर में आयोजित तीन दिवसीय संस्कृत प्रशिक्षण सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में तीसरे दिन–वार्तालाप,कक्षा कक्षा के अनुमति निर्देश वाक्य, दिनचर्या ,फिंगर पपेट ,मुखौटा, मनोभव ,डिब्बे में डिब्बा ,लूडो क्रीडा ,सांप सीढ़ी क्रीडा,आओ मित्र! जोड़े चित्र इत्यादि संस्कृत भाषा किट प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में नोडल संदर्भ दाता डॉक्टर शैलेश कुमार ,पुष्कर मिश्र, विमलेश कुमार विश्वकर्मा, ज्योति श्रीवास्तव ने जनपद के 22 ब्लॉकों के,परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक अध्यापिकाओं को ज्ञानवर्धक एवं व्यवहारिक संस्कृत भाषा किट प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण का समापन अतिथि प्रवक्ता डॉक्टर प्रेमलता गिरी असिस्टेंट प्रोफेसर मोहम्मद हसन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर के आशीर्वचनों के साथ हुआ।। मंच का संचालन डायट प्रवक्ता डॉक्टर अश्विनी पांडे ने किया। इस अवसर पर वरुण कुमार यादव,अखिलेश मौर्या,दुर्गा शंकर राय आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मानव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम योगेश शेट्टी द्वारा पार्टी की दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय मानव पार्टी को चुनाव आयोग ने नागरिक चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिया है। चुनाव आयोग ने देश की 540 लोकसभा सीटों पर ये चिन्ह दिया है शेष सीटो पर वह सिलेंडर चुनाव

चिन्ह से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि सभी को स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं दिलाना, सभी को रोजगार,लिंग समानता ,भ्रष्टाचार को खत्म करना राष्ट्रीय मानव पार्टी की प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने बड़ रहे धार्मिक उन्माद पर भी चिंता जताई और कहा कि पार्टी किसी भी जाति और धर्म की राजनीति की पक्षधर नहीं है। उनके लिए मानव का सम्मान और और विकास सर्वोपरि है। दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उन्होंने श्री रमेश झंकार को राष्ट्रीय संगठन मंत्री और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी। रमेश झंकार जी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य हैं और कई चुनावो के प्रबंधन के अलावा पार्टी में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। दिल्ली के अलावा अन्य राज्यो मे चुनाव प्रबंधन एवम् पार्टी विस्तार पर कार्य कर चुके हैं। अभी हाल ही में वे आम आदमी पार्टी में दिल्ली प्रदेश के सभी प्रकोष्ठ संभाल रहे थे। रमेश झंकार आम आदमी पार्टी संगठन मे बड़े ही हसमुख एवम् जमीनी नेता माने जाते है। दिल्ली प्रदेश कार्यकारिणी में अश्वनी राघव को प्रदेश संगठन मंत्री, प्रद्दुमन कुमार, राजाराम गौतम, जितेंद्र निषाद, आर पी मल्लाह, अभिषेक रैकवार,सुशील कुमार, विजय माथुर को प्रदेश उपाध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह महासचीव दिनेश कुमार, सीमा शर्मा, एडवोकेट इंद्रजीत शर्मा, एडवोकेट इरफान अल्वी,एडवोकेट सरस्वती कल्याणी, रंजीत कुमार, राजा राम गौतम, अवंतिका शर्मा, निशा संतोष सिंह, धर्मवीर सिंह, मोहन लाल अग्रवाल को प्रदेश सचिव, ओमप्रकाश बैरवा को कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा निखिल कुमार, पिंकी गौतम, मो आरिफ, शीतला प्रसाद, गणेश कुमार, संजीव मिलिंद, विवेक गुप्ता, मदनसिंह , जयप्रकाश, कुसुम वर्मा , अच्छे लाल, सियाराम आदि कार्यकर्ताओं को प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। ये सभी नवनियुक्त पदाधिकारी आम आदमी पार्टी में प्रदेश और जिला स्तर की जिम्मेदारियां संभाल रहे थे।

इस अवसर पर श्री रमेश झंकार ने कहा की आम आदमी पार्टी के रवैए से नाराज होकर लगभग 500 कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी को छोड़कर राष्ट्रीय मानव पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और आम आदमी की सरकार में भागीदारी की विचारधारा से आम आदमी पार्टी ने किनारा कर लिया है जिससे कार्यकर्ता खुद को ठगा महसूस करने लगा है।

आगामी सात मार्च से तीन दिवसीय नेशनल सोलर एंड ईवी एक्सपो 2024 का होगा आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन एवं सह आयोजक यूपीनेडा के साथ साथ यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड लखनऊ द्वारा ऐसोचौम यूपी यूके के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन हमेशा से ही प्रदेश स्तर पर जन जन को सोलर और पर्यावरण संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता आया है, प्रधानमंत्री मोदी जी की सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को प्रदेश सरकार की सहायता से इस योजना में और तेजी आए और ज्यादा ज्यादा इसका लाभ जन जन तक पहुंचे, इसी क्रम को बृहद रूप देते हुए उत्तर प्रदेश सोलर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन ने ष्एक छत एक समाधानष के लिए एक्सपो का आयोजन करने जा रही है, जिसमे 10 बड़े राज्यों से विभिन्न कंपनीया अपने प्रोडक्ट जैसे बैटरी, पैनल, इन्वर्टर, अर्थिंग, केबल ऑन ग्रिड, ऑफ ग्रिड और हाइब्रिड सोलर का प्रदर्शन करेगी। वही आज के पर्यावरण को शुद्ध रखने के मुहिम में इलेक्ट्रिकल गाड़ियों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। एक्सपो का आयोजन आगामी मार्च 7,8,9 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में होगा।

इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री की योजनाष सूर्य घर– मुफ्त बिजली योजनाष को जन जन तक पहुंचना है जिसमे प्रधानमंत्री जी द्वारा 1 करोड़ घरों में सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है। इस योजना में लगभग 22 हजार मेगा वॉट का लक्ष्य 2022 से 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक्सपो का आयोजन राज्य सरकार के सोलर योजनाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है –

1– पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

2 उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 22 हजार मेगावॉट को जल्द से जल्द पूरा कर देश में पर्यावरण संरक्षण किया जाए।

3 विभिन्य राज्यों से भाग लेने वाली कंपनियों को एक छत एक समाधान से लाभ मिलेगा जिसमे बेचने वाले और खरीदने वाले एक ही छत के नीचे होंगे।

प्रेस कान्फ्रेंस में यूपीएसपीडीए के संरक्षक एवं एसोचौमयूपी–यूके के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तारिक हसन नकवी, यूपीएसपीडीए के अध्यक्ष अनवेश सिंह चौहान एसोचौमयूपी–यूके अध्यक्ष डीपी सिंह, यूपीएसपीडीए के उपाध्यक्ष पवन अग्रवाल, अखिलेश त्रिपाठी, आईएनए सोलर के उपाध्यक्ष अजय शर्मा, एवं लूम सोलर से संजय मिश्रा इत्यादि एकसपो के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पुरुष चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों के ऊपर नहीं मायने रखता सीएमएस डा. गुप्ता का आदेश

अयोध्या। जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सको के ऊपर सीएमएस डॉ एमपी गुप्ता का आदेश

कोई मायने नहीं रखता हुआ दिखाई दे रहा है।जब डाक्टर एमपी गुप्ता ने जिला चिकित्सालय में सीएमएस का का कार्यभार संभाला तो उन्होंने इस चिकित्सालय में तैनात सभी चिकित्सकों व कर्मियों को सख्त निर्देश दिए थे कि कोई भी कर्मचारी ऐसा कार्य न करें जिस जिसके चलते चिकित्सालय में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों को किसी भी तरह की परेशानी हो।वहीं उन्होंने चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों के मनमानी को देखते हुए सभी चिकित्सकों को सख्त हिदायत दिया था कि कोई भी चिकित्सक बिना उनके अनुमति के किसी भी मीडिया कर्मी को कोई बयान नहीं जारी करेगे।साथ ही साथ उन्होंने इन चिकित्सकों को सख्त हिदायत दिया था कि शासन के मंशानुरूप कार्य करें और कोशिश यह करें कि कोई भी चिकित्सक कर्मी बाहर से दवा ना लिखें परंतु इसका असर जिला चिकित्सालय मैं तैनात जिला चिकित्सकों के ऊपर नहीं पड़ रहा है जिसके चलते मरीज के परिजनों को मजबूरी में बाहर से दवाई लानी पड़ रही है।जिसका जीता जागता उदाहरण जिला अस्पताल के ओपीडी 16 नंबर में बैठने वाले वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विनोद सिंह के ऊपर सटीक बैठती है। मरीजों के मुताबिक वे मामूली बीमारी में बाहर की कमीशन वाली हजारों की दवा लिख रहे हैं।अगर देखा जाए तो डॉ विनोद सिंह का बाहर का लिखा परचा हुआ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।इस संबंध में सीएमएस एमपी गुप्ता ने जांच करने की बात कही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया अग्निशमन केन्द्रों का वर्चुअली लोकार्पण/शिलान्यास एवं अग्निशमन वाहनों का फ्लैग ऑफ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अग्नि सुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण व प्रदेश की समस्त तहसीलों में अग्निशमन केन्द्र स्थापित करने के निर्णय को साकार करने के उद्देश्य से 5–कालीदास मार्ग, लखनऊ से 38 अग्निशमन केन्द्रों का वर्चुअली लोकार्पण/शिलान्यास तथा 35 अग्निशमन वाहनों का फ्लैग ऑफ किया गया। प्रदेश में अग्नि दुर्घटनाओं पर फर्स्ट रिस्पाण्डर को प्रभावी बनाने के लिये प्रत्येक ब्लाक में न्यूनतम 100 फायर वॉलटियर प्रशिक्षित करते हुये प्रदेश में कुल 91 हजार फायर वॉलटियर तैयार किये गये है। हाईराईज बिल्डिंग्स औद्योगिक भवनों, आवासीय भवनों, घनी बस्तियों आदि में आपातकालीन स्थिति से लोगों की जान माल की रक्षा हेतु अग्निशमन विभाग को आधुनिक रूप से प्रशिक्षित करते हुये अत्याधुनिक संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री, जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण विभाग उ०प्र० स्वतंत्र देव सिंह, मा० राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परिवहन उ०प्र० श्री दयाशंकर सिंह, मुख्य सचिव उ०प्र०, प्रमुख सचिव गृह उ०प्र०, पुलिस महानिदेशक उ०प्र०, महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने अयोध्या में गुजरात यात्री निवास के निर्माण के लिए प्रदेश के बजट में 10 करोड़ आवंटित किये'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार के कैबिनेट मंत्रीगण सहित 25 प्रतिनिधियों ने अयोध्या पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन किये। सर्वप्रथम मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल अपने मंत्रिमण्डल सहित महर्षि बाल्मीकि एयरपोर्ट अयोध्या पर उतरे। वहां पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्रीध्जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से आगुवानी की। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। तत्पश्चात एयरपोर्ट से निकलकर मुख्यमंत्री जी का काफिला श्रीरामलला मंदिर पहुंचा, जहां पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के पदाधिकारियों चम्पत राय, डा0 अनिल मिश्र, राजेन्द्र सिंह पंकज, गोपाल राव, पुजारी सत्येन्द्र दास द्वारा स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने मंत्रिमण्डल के साथ मंदिर में श्रीरामलला का दर्शन पूजन किया। अगले चरण में मुख्यमंत्री वहां से निकलकर अयोध्या के पंचशील होटल में आयोजित प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया। सम्बोधन के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में देश इस अमृतकाल में राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करोड़ों देशवासियों के लिए अमृत उत्सव समान है हर एक हिन्दू का एक संकल्प था कि अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। प्रभु श्रीराम चन्द्र की कृपा से ऐसे ऐतिहासिक मंदिर की भूमिपूजन एवं प्राण प्रतिष्ठा दोनों ही पवित्र कार्य का सौभाग्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को प्राप्त हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि पूर्व में आप सभी को ज्ञात है कि अयोध्या में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गुजरात भवन के लिए भूमि आवंटित की गयी है इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद और गुजरात सरकार द्वारा द्वारा गुजरात यात्री निवास निर्माण हेतु 10 करोड़ का बजट भी आवंटित किया गया है। इस अवसर पर गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी सहित गुजरात के कैबिनेट मंत्रिगण, मुख्य अधिकारीगण सहित उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्रीध्जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल, एस0पी0 सिटी मधुबन कुमार सिंह, उप निदेशक सूचना डा0 मुरलीधर सिंह, उपजिलाधिकारी सदर राजकुमार पांडेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा सम्मानित पत्रकार बन्धु/छायाकार उपस्थित रहे।

1100 ग्राम अवैध गांजा के साथ अभियुक्त की गिरफ्तारी

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। अयोध्या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद अयोध्या के आदेश के अनुपालन मे अपराध एवं अपराधियो के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर महोदय एव क्षेत्राधिकारी अयोध्या महोदय के पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष थाना पूराकलन्दर अयोध्या के नेतृत्व मे थाना स्थानीय उ0नि0 राजकुमार मय टीम द्वारा

दिनांक 02.03.2024 को समय करीब 05.45 एएम पर अभियुक्त लालू प्रसाद पुत्र पवन कुमार को 1100 ग्राम अवैध गांज के साथ कल्याण भदरसा रोडवेज वर्कशाप के पास से गिरफ्तार किया गया । बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर कई धाराओं में लालू प्रसाद पुत्र पवन कुमार पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर अन्य विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया।

पुलिस उप महानिरीक्षक एसटीएफ के सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा श्री एस० आनन्द पुलिस उप महानिरीक्षक एसटीएफ, उ०प्र० के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आज दिनांक 29.02.2024 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित विदाई समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारी को मोमेन्टो भेंट किया गया तथा सेवा काल के दौरान किये गये कार्यों की सराहना करते हुए उनके एवं उनके परिवार के सुख, समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गयी। श्री एस० आनन्द का जन्म 28 फरवरी 1964 को जनपद वाराणसी में हुआ था। वर्ष 1994 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में चयनित हुये। प्रशिक्षणोंपरान्त पुलिस उपाधीक्षक, जनपद हरदोई, गाजीपुर, प्रतापगढ़, मऊ, आजमगढ़, डा० भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद, ए०सी०ओ० गोरखपुर, सहकारिता प्रकोष्ठ गोरखपुर एवं एस०टी०एफ० के पदों पर नियुक्त रहे। वर्ष 2013 में श्अपर पुलिस अधीक्षकश के पद पर प्रोन्नत होकर अपर पुलिस अधीक्षक, एस०टी०एफ० के पद पर नियुक्त रहे। वर्ष 2018 में भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत होकर पुलिस अधीक्षक जनपद बांदा, प्रतापगढ़, शाहजहाँपुर, बलिया एवं पुलिस अधीक्षक (अपराध), मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० लखनऊ के पदों पर नियुक्त रहे। वर्ष 2023 में ष्पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत होकर पुलिस उप महानिरीक्षक एस०टी०एफ० लखनऊ के पद पर नियुक्त रहे। श्री एस० आनन्द को स्वतन्त्रता दिवस 2021 के अवसर पर दीर्घ एवं सराहनीय सेवाओं के लिये पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

जेल में बने थैलों में भी मिलेगा अयोध्या प्रसाद

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या श्रीराम लला का प्रसाद अब जेल में बने थैलों में भी देने की तैयारी है। फतेहपुर जेल की पालीथिन मुक्त पहल को देखते हुए श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने जेल अधीक्षक को थैलों के निर्माण और आपूर्ति का संदेश भिजवाया है।

उल्लेखनीय है कि फतेहपुर जेल के अधीक्षक मोहम्मद अकरम खान ने ट्रस्ट के पास बंदियों के हाथ से बने ग्यारह सौ राम मंदिर छपे भगवा रंग के थैले भिजवाये थे। श्री खान के अनुसार पालिथीन मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जेल वासियों ने इसे स्वयं तैयार किया है। जेल का यह थैला ट्रस्ट महामंत्री को पसंद आया तो उन्होंने भुगतान के आधार पर और थैलों की मांग भिजवा दी। ट्रस्ट के अनुसार छपाई में

थोड़ा संशोधन और आकार कुछ बड़ा करके इन थैलों का मांगपत्र भेजा गया है। ट्रस्ट 10×10 इंच के 5000 भगवा थैला को प्रथम चरण में मंगा कर के कैदियों के परिश्रम का सम्मान बढायेगा।

'प्रतिक्रिया' मीडिया प्रभारी शरद शर्मा का कहना है

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान देश भर से लोग भगवान को अपनी श्रद्धा विभिन्न वस्तुओं के द्वारा समर्पित करते रहे हैं।जो आज तक अनवरत जारी है।

फतेहपुर जेल में निरूद्ध वंदियों में भगवा थैले बनाने के पीछे का भाव पवित्र है,शायद यह भगवत प्रेरणा से ही यह हो रहा है। देश के अन्य जेलों को भी अच्छे कार्य के लिए आगे आना चाहिए। ट्रस्ट ने परिश्रमशील कैदियों का सम्मान करते हुये उनके द्वारा रामभक्तों को प्रसाद देने हेतु समर्पित थैलों को स्वीकार किया है और आगे भी उन्हे श्रम करते रहने की हम अपील करते हैं ताकि परिश्रम के साथ कैदियों को अच्छे जीवन में पुनः वापसी हो।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रस्तावित धरना कार्यक्रम हुआ स्थगित

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद परिषद की 27 सूत्री मांगों पर अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक डॉ देवेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता मे संयुक्त परिषद के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता हुई। वार्ता में संयुक्त परिषद की 80% मांगों पर शासन स्तर पर सहमति

बन जाने के कारण राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा दिनांक 4 मार्च 2024 को जनपद स्तर पर एवं 14 मार्च 2024को प्रदेश स्तर पर धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम अग्रिम निर्णय तक स्थगित कर दिया गया है। राज्यकर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक के साथ वार्ता अत्यंत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। अपर मुख्य सचिव कार्मिक डॉ देवेश चतुर्वेदी ने कर्मचारियों की मांगो पर सार्थक एवं सकारात्मक नजरिया के साथ निर्णय लिया। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि हालाकि धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है लेकिन संयुक्त परिषद का 17 मार्च से 17 मई तक जनपद एवं मंडल स्तर पर प्रेस वार्ताओं एवम् बैठक का कार्यक्रम यथावत जारी रहेगा। संयुक्त परिषद की महामंत्री अरुणा शुक्ला ने अवगत कराया है कि रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में पुनः सख्त निर्देश शासन स्तर से जारी किए जाने, पदोन्नति के पदों को समयबद्ध रूप से भरे भरे जाने,लैब टेक्नीशियन फाइलेरिया निरीक्षक, सहायक चकबंदी अधिकारी, खाद्य रसद विभाग के आपूर्ति ,विपणन निरीक्षक सहित विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियों पर विशेष रूप से मुख्य सचिव समिति निर्णय करेगी। जे एन तिवारी ने बताया कि आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय निश्चित किए जाने से संबंधित प्रकरण पर श्रम विभाग के माध्यम से मंत्री परिषद से निर्णय कराया जाएगा। एनएचएम विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों के संबंध में एनएचएम निदेशक संगठन से वार्ता करके कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम को असाध्य रोगों की श्रेणी में शामिल करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग से परामर्श प्राप्त कर निर्णय कराएंगे। आउटसोर्सिंग, संविदा कर्मियों के निजी अनुरोध के स्थानांतरण पर स्थानांतरण नीति में प्रावधान किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा पुरानी पेंशन में किए गए संशोधनों को लागू करने के लिए प्रदेश सरकार सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गई है, शीघ्र ही वित्त विभाग के माध्यम से आदेश जारी कराया जाएगा। आईटीआई विभाग में पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए बैठक में ही अपर मुख्य सचिव कार्मिक द्वारा प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा को निर्देश दिए गए । खाद्य रसद विभाग में संवर्ग संरचना के लिए प्रमुख सचिव से कार्यवाही करने को कहा गया। समाज कल्याण विभाग में संविदा कर्मियों के नवीनीकरण के लिए छात्र द्वारा 60: अंक लाने की बाध्यता पर पुनर्विचार किया गया और निर्देशित किया गया किया यह व्यावहारिक नहीं है। इस पर तत्काल स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश समाज कल्याण विभाग को दिए गए। संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों को बैठकों में प्रतिभाग करने के लिए अधीनस्थ अधिकारियोंद्वारा अनुमति नहीं दिए जाने अथवा व्यवधान उत्पन्न किए जाने की स्थिति कों अपर मुख्य सचिव ने गंभीरता से लिया तथा कार्मिक विभाग द्वारा सभी को निर्देशित करने के लिए कहा गया कि पदाधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारी से मिलने के लिए अधीनस्थ अधिकारी व्यवधान उत्पन्न ना करें। चालकों,परिचालकों का इलेक्ट्रिक बसों मे समायोजन किए जाने पर भी सकारात्मक निर्णय लिए गए। आशा बहू को निश्चित मानदेय दिए जाने के संबंध में अपर मुख्य सचिव ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए कहा किया उन्हें न्यूनतम ष्5000 फिक्स में मानदेय दिए जाने पर स्वास्थ्य विभाग विचार करें। महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत महिला शक्ति केंद्र में कार्यरत कर्मियों को उनके जॉब से नहीं निकला जाएगा। निदेशक महिला कल्याण के 5 फरवरी के पत्र के माध्यम से जो भ्रांतियां उत्पन्न हुई है, तथा जिसके बाद रामपुर, अलीगढ़ सहित कई जनपदों में महिला कर्मियों से कार्य नहीं लिया जा रहा है, के संबंध में स्तिथि स्पष्ट करने के निर्देश महिला कल्याण विभाग को दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव कार्मिक डॉ देवेश चतुर्वेदी की कर्मचारियों के प्रति सकारात्मक सोच एवं सकारात्मक निर्णय के दृष्टिगत संयुक्त परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों की हुई एक जूम बैठक के बाद धरना प्रदर्शन कार्यक्रम स्थगित करने का निर्णय लिया गया है । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी एवं महामंत्री अरूणा शुक्ला ने मुख्य सचिव से भी मुलाकात कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा प्रकाशित पत्रिका ष्कहां गए आ गए हमष् की प्रथम प्रति उनको भेट किया। बैठक में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी, महामंत्री अरुणा शुक्ला, उपाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया उपस्थित थे। जूम बैठक में संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी,महामंत्री अरुणा शुक्ला,उपाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ चौरसिया, निरुपमा सिंह, स्वाति सिंह, कुसुम लता यादव, डीपी ओझा विवेक कुमार द्विवेदी,अमित वर्मा सहित दो दर्जन से भी अधिक वरिष्ठ पदाधिकारियों ने धरना स्थगित किए जाने के निर्णय पर अपनी सहमति व्यक्त किया।

छात्रवृत्ति की समस्या को लेकर समाज कल्याण मंत्री से मिला छात्र नेताओं का प्रतिनिधिमंडल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के 3000 छात्रों के छात्रवृत्ति फार्म विभाग तक ना पहूंच पाने के सम्बंध में आज समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से मिल कर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने ज्ञापन सौंपा जिसमे उन्होंने ने बताया कि विश्वविधालय एवं उससे संबंधित कुछ संस्थानों के 3000 छात्रो का छात्रवृत्ति फार्म इन्स्टिट्यूट लेवल से सत्यापित करके विभाग द्वारा तय समय सीमा मे विभाग को फॉरवर्ड नही हो सका है,जिससे उनकी छात्रवृत्ति उन तक नहीं पहुंच सकेगी । छात्रो की अर्थिक स्थिति एवं उज्ज्वल भविष्य को ध्यान मे रखते हुए छात्रवृत्ति पोर्टल को पुनरू खोले जाने की मांग की अथवा कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया, इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र नेता शिवम सिंह सम्राट, प्रणव कान्त ष्मोहितष्, अनिवेश सिंह, उत्कर्ष चौहान, हमजा खान, आरुषि सिंह, रूचि, एल्विन मैसी आदि थे।

डा0 ख्वाजा मो0 यूनूस साहब की 5वीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में 4 मार्च 2024 को अपराह्न 4:30 बजे से एक अखिल भारतीय मुशायरे का आयोजन होगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भव्य अखिल भारतीय मुशायरा व यादगार डा0 ख्वाजा सैय्यद मोहम्मद यूनुस

स्थापक व मैनेजर इरम एजूकेशनल सोसाइटी लखनऊ/बाराबंकी स्थान– इरम गर्ल्स डिग्री कालेज सी–ब्लाक इन्दिरा नगर लखनऊ समयः अपराहन 4:30 बजे लड़कियों की शिक्षा के हवाले से एक इंकलाबी और जमाना साज शख्यिसत, इरम एजूकेशनल सोसाइटी लखनऊ और बाराबंकी के स्थापक और पूर्व प्रबंधक डा0 ख्वाजा मो0 यूनूस साहब की 5वीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में 4 मार्च 2024 को अपराहन 4:30 बजे से एक अखिल भारतीय मुशायरे का आयोजन होगा। जिसमें देश के मकबूल तरीन शोराए किराम शिरकत करेंगे। मुशायरे में प्रो0 वसीम बरेलवी, डा0 मंजर भोपाली, डा. नवाज देवबंदी, मिसेज अंजुम रहबर, शकील आजमी, डा. हरिओम(आईएएस), पवन कुमार (आईएएस), डा. अंजुम बाराबंकवी, डा. अब्बास रजा नैय्यर, डा. तारिक कमर, मुमताज नसीम, अकील नोमानी और शिखा अवधेश शिरकत करेंगे। मुशायरे का संचालन प्रो0 अब्बास रजा नैय्यर करेंगे।

डा0 ख्वाजा सै.मो0 यूनुस साहब मुल्क के मशहूर शिक्षाविद् थे वह चाहते थे कि मुल्क का हर शख्स तालीम के जेवर से आरास्ता हो जाए। खास कर लड़कियों की तालीम डॉ0 ख्वाजा यूनुस आवश्यकता और अहमियत को उन्होंने शिद्दत से महसूस ही नही किया बल्कि उसकी खिदमत के लिये अपने आपको समर्पित कर दिया तथा बालिकाओं की शिक्षा के लिये 1970 में लखनऊ में इरम एजूकेशनल सोसायटी के नाम से एक शैक्षिक तन्जीम की बुनियाद रखी। कठिन परिश्रम, और साहस के कारण देखते देखते लखनऊ तथा बाराबंकी में इरम शिक्षण संस्थान की स्थापना कर दी। डॉ0 ख्वाजा यूनुस साहब का यह शैक्षणिक कार्य इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जायेगा। प्रो0 वसीम बरैल्वी ने कहा था कि ख्वाजा यूनुस शिक्षा के शाहजहां हैं। उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के एतेराफ में

तीन बार उनको राष्ट्रपति पुरस्कारा से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के राज्यपाल व मुख्य मंत्रियों द्वारा एवार्ड से भी डॉ0 ख्वाजा यूनुस की शैक्षणिक सेवाओं को सराहा गया। इस समय लखनऊ और बाराबकी में 30 से ज्यादा शैक्षिक संस्थाओं में छात्र छात्राओं को शिक्षा के आभूषणों से सजाया।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस), लखनऊ विश्वविद्यालय ने तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक प्राइवेट लिमिटेड ने आईएमएस के प्रबंधन छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।मनु अग्रवाल, पूर्व छात्र आईआईटी, कानपुर, विनिर्माण में अनुभव ने विनिर्माण संदर्भ में आपूर्ति श्रृंखला विनिर्माण के बारे में विशेषज्ञ ज्ञान दिया। उन्होंने अनिश्चितता से निपटने के लिए अनुकूलनीय और संरेखित आपूर्ति श्रृंखला चक्रों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मांग का पूर्वानुमान कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में मदद करता है। कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ उत्पाद डिजाइन संबंध से संबंधित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के कुछ केस अध्ययनों के बारे में बताया। यह सत्र विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में करियर विकास में सहायक है। कार्यक्रम का संचालन सौरव बनर्जी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पल्लवी ठाकर ने किया। प्रोफेसर विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस, लखनऊ विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में आईएमएस के सेमिनार हॉल में तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। मनु अग्रवाल, सीईओ, अल्फासिन टेक्नोलॉजीज

डा. राघवेन्द्र मिश्र प्रणय को मिलेगा जयशंकर प्रसाद पुरस्कार

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) लक्ष्मी पुरवा निवासी जनपद के प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार डॉ० राघवेन्द्र मिश्र प्रणय की प्रथम काव्यकृति अँजुरी भर प्यास(गीत–संग्रह) को उ०प्र०शासन की योजना के अन्तर्गत राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उ०प्र० द्वारा एक लाख रुपये के जयशंकर प्रसाद पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है।

03 मार्च को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में उन्हें सांसद राज्य सभा व पूर्व उप मुख्यमंत्री उ०प्र० डॉ दिनेश शर्मा के कर– कमलों से यह पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। विगत फरवरी माह माह में उनके इस गीत संग्रह का लोकार्पण जनपद की साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्था सरस्वती सदन में हुआ था। डॉ० मिश्र वर्तमान में लखनऊ के महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना में असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी के पद पर कार्यरत हैं। उनकी इस उपलब्धि हेतु डॉ० बंशीधर शुक्ल, डॉ० ब्रह्मस्वरूप पांडेय, अरुणेश वाजपेयी, डॉ० शिवशरण सिंह चौहान, अखिलेश वाजपेयी, ब्रजराज सिंह तोमर, आलोक टंडन, मनीष कुमार मिश्र, श्रवण मिश्र राही, अजीत शुक्ल, श्याम त्रिवेदी श्पंकजश सहित जनपद के सभी साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।